सेल्फी प्वाइंट द्वारा निपुण लक्ष्य की प्राप्ति

डॉ0 राम नेवाज सिंह (स.अ.)
प्रा. वि. तिलगोड़ी
जनपद-कौशांबी

पूर्व की स्थिति– पूर्व में बच्चों की उपस्थिति में कमी थी। साथ शिक्षा के प्रति रूचि तथा भाषा एवं गणित में सम्प्राप्ति स्तर अपेक्षानुसार नहीं था। उत्साह और प्रतियोगिता की भावना का अभाव था।

भाषा एवं गणित ऐसे विषय है जिनका उपयोग बच्चा प्रतिदिन अपने दैनिक क्रिया कलापों में करता है। यदि बच्चे में भाषा की समझ और संख्यात्मक ज्ञान का अभाव है तो वह धीरे–धीरे अधिगम में पिछड़ने लगता है और शिक्षा के प्रति अरुचि प्रदर्शित करता है। बच्चों की भाषा और गणित में दक्षताओं को हासिल करने के लिए निपुण लक्ष्यों का निर्माण किया गया है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षक विभिन्न गतिविधियों द्वारा नवाचारी प्रयास कर रहे हैं। इस नवाचार को कक्षा में करने का भी यही उद्देश्य था कि अधिक से अधिक संख्या में बच्चे विद्यालय में आने के लिए उत्सुक रहें और छोटी–छोटी उपलब्धियाँ हासिल करते हुए निपुण लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। शिक्षक ने सेल्फी पॉइंट बनाकर बच्चों में जिज्ञासा उत्पन्न करने का प्रयास किया जिससे वे अपने परिश्रम से ख्याति प्राप्त कर सकें। सेल्फी पाइंट पर सेल्फी खिचवाने के लिए यह शर्त रखी गयी कि केवल निपुण लक्ष्य प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की ही फोटो ली जायेगी। इससे बच्चे भाषा एवं गणित की दक्षताओं को प्राप्त करने के लिए स्वप्रेरित होते हैं और बच्चों की अधिगम क्षमता में स्वाभाविक वृद्धि होती है। साथ ही अधिक से अधिक बच्चे स्वयं को निपुण करने के लिए लालायित और प्रयासरत रहते है।

क्रियान्वयन– विद्यालय में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने, निपुण लक्ष्यों को प्राप्त कर निपुण विद्यालय बनाने के उद्देश्य से विद्यालय में दीवार पर फ्लैक्स की मदद से एक सेल्फी पॉइंट तैयार किया गया इसके अतिरिक्त शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित सेल्फी पॉइंट तैयार किया गया। सेल्फी पॉइंट को देखकर बच्चे उत्साहित होते है परन्तु किसी भी विद्यार्थी की सेल्फी वहाँ तब तक नहीं खीचीं जाती है जब तक निपुण लक्ष्य ऐप पर आकलन करने पर बच्चा निपुण लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर लेता। जो विद्यार्थी भाषा व गणित विषय में निपुण हो जाते हैं केवल उनकी सेल्फी, सेल्फी पॉइंट पर खीची जाती है। इससे बच्चों में निपुण आकलन करवाने के लिए होड़ लग गई। वे सबसे पहले अपना आकलन कराकर सेल्फी खिचवाना चाहते हैं।

शिक्षक द्वारा बच्चों का आकलन निपुण लक्ष्य ऐप के माध्यम से किया गया। उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से निपुण बच्चों की सेल्फी पॉइंट के साथ फोटो स्थानीय समाचार पत्र, फेसबुक, अभिभावक व्हाटसएप ग्रुप पर प्रेषित की जाती हैं। जिन बच्चों की समाचार पत्र में फोटो प्रकाशित होती है उन्हें अन्य विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए सभी को अपनी सेल्फी, सेल्फी पॉइंट में खिचवाने के लिए प्रेरित किया जाता है। स्कूल के समस्त निपुण बच्चों को बालसभा में, **'मैं भी हूँ निपुण'** कार्यक्रम में सम्मानित किया जाता है और प्रोजेक्टर के माध्यम से सेल्फी पॉइंट के साथ निपुण विद्यार्थियों की फोटो का प्रदर्शन किया जाता है।

प्रभाव– उक्त नवाचार का सर्वाधिक प्रभाव बच्चों के अधिगम स्तर पर पड़ा जिससे विद्यालय के बच्चे स्वयं को निपुण बनाने के लिए प्रेरित हुए। बच्चों में एक नवीन उत्साह का संचार हुआ है और वे स्वप्रेरित होकर निपुण लक्ष्यों को प्राप्त करने का अधिक प्रयास करते हैं। सेल्फी पॉइंट की उत्सुकता को अभिभावकों तक पहुंचाने एवं अपने पाल्यों की अधिगम स्थिति से अवगत कराने के उद्देश्य से शिक्षक प्रोजेक्टर के माध्यम से SMC, मीटिंग PTM मीटिंग में निपुण हुए बच्चों की सेल्फी पॉइंट के साथ सेल्फी का प्रदर्शन करते है। इस प्रकार अभिभावक अपने पाल्यों की शिक्षा के प्रति जागरूक हुए और अभिभावकों एवं बच्चों के सहयोग से विद्यालय 2023 और 2024 में निपुण लक्ष्यों को प्राप्त कर निपुण घोषित हुआ है।

- NAT परीक्षा में भी बच्चों की शैक्षिक स्तर में सुधार हुआ और विद्यालय को 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है।
- विद्याज्ञान प्रवेश परीक्षा 2024 में शिखा और वर्ष 2025 में ऐनामुलहक अंसारी ने सफलता प्राप्त की है।